श्री अखिल राजस्थान गुजराती समाज के सम्मान समारोह में माननीय अध्यक्ष महोदय का भाषण

आज कोटा की चार प्रमुख संस्थाओं- श्री अखिल राजस्थान गुजराती समाज, गायत्री परिवार ट्रस्ट, श्री गुजराती समाज कोटा और समर्पण सेवा समिति, कोटा द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आप सबके बीच आकर मुझे ऐसा लगता है, मानो मैं अपने परिवार के बीच आया हूं।

साथियो, हाल का समय पूरी मानवता के लिए चुनौती भरा समय रहा है। एक अनजानी-सी कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया पर अपना दूरगामी असर छोड़ा है। हमारे देश ओर कोटा शहर में भी लोगों का स्वास्थ्य और जीवन इस कोरोना महामारी के कारण प्रभावित हुआ है।

इस समय ने हमें कष्ट तो दिया लेकिन इस संकट की घड़ी में नए मसीहा भी सामने आए। अनेक संस्थाएं सामने आयीं। किसी ने भोजन, दवा, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई, तो कोई बीमार लोगों के लिए कोरोना वारियर बन कर सामने आया।

मैं उन सभी समाजसेवियों और संस्थाओं को हृदय से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने तन, मन और धन से सभी दुःखियों एवं रोगियों की सेवा की। इस पुनीत कार्य में गुजराती समाज ने भी बहुत महत्वपूर्ण सहयोग दिया। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार के संकट की घडी में वे सदैव सहयोग के लिए तैयार रहेंगे।

इस कालखंड में हमने देखा कि डॉक्टर, नर्सेज़, पैरामेडिकल स्टाफ, केमिस्ट, पुलिस, सफाईकर्मी आदि सबने अपना सर्वोत्तम योगदान दिया। वास्तव में, इस महामारी ने हम सबको एकजुट किया। मुझे गर्व है कि हम सब मानव के रूप में एक दूसरे के सुख-दुःख के भागीदार बने। इसी प्रकार, हमें सदैव एक दूसरे के काम आना है।

समाज के जिन अग्रणी लोगों ने सेवा का व्रत लिया और सबकी भिन्न-भिन्न रूपों में सेवा की। उनकी सेवाओं का सम्मान करना हम सबका दायित्व है। यह आवश्यक है कि ऐसे सेवाभावियों एवं ऐसे भामाशाहों को मंच पर सम्मानित करने का पुनीत कार्य हम सब करें।

जब हम उन्हें सम्मानित करेंगे तो ऐसे आदर्श व्यक्तियों एवं संस्थाओं से प्रेरणा लेकर अन्य संस्थाएं एवं समाज भी प्रेरित और प्रभावित होंगे एवं ज्यादा से ज्यादा लोग समाज सेवा का व्रत लेंगे।

आज यहां सम्मानित हो रहे सभी लोग समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। आप सब नर सेवा के माध्यम से नारायण सेवा को चरितार्थ कर रहे हैं। मैं उन सभी पुण्य आत्माओं एवं समाज सेवी संस्थाओं

का पुनः अभिनंदन करता हूं। कोटा शहर को आप जैसी विभूतियों पर गर्व है। ऐसे लोग शहर को एक आदर्श शहर की पहचान देते हैं।

मैं इस आयोजन के लिए उपर्युक्त चारों संस्थाओं के प्रति भी धन्यवाद प्रकट करता हूं। गायत्री परिवार ट्रस्ट एवं समर्पण सेवा समिति, कोटा आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है जबकि राजस्थान में रह रहा गुजराती समाज का हमेशा से ही स्वर्णिम इतिहास रहा है। यह अत्यंत जीवंत और सक्रिय समाज है।

वे जहां भी रहे हैं उन्होंने अपनी कठिन परिश्रम, लगन एवं व्यवसाय के माध्यम से राष्ट्र को फलने-फूलने का अवसर प्रदान किया है एवं समस्त समाज के लिए मंदिर, सराय एवं धर्मशालाएं इत्यादि बनवाई हैं।

उन्होंने अपने कृतित्व से अन्य समाज के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत किया है। मैं इस समाज से जुडे सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति पुनः आभार प्रकट करता हूं।

आज के कार्यक्रम के सभी आयोजकों को उनके सभी भावी कार्यक्रमों के लिए भी मेरी शुभकामनाएं हैं। कोटा का जनप्रतिनिधि होने के नाते आप सबका मेरे ऊपर पूरा अधिकार है। यदि जनसेवा एवं किसी भी सामाजिक कार्य में आपको मेरी आवश्यकता पडी, तो उसमें मैं सदैव आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा।

धन्यवाद। जय हिंद।